भारतीय जीवन बीमा निगम
LIFE INSURANCE CORPORATION OF INDIA

PRESS RELEASE

10/11/2023 अखिल भारतीय

प्रैस विज्ञप्ति दिनाँक - 10 नवंबर, 2023

एनएसई कोड:- LICI बीएसई कोड:- 543526

30 सितंबर 2023 को समाप्त छमाही के लिए प्रदर्शन अपडेट (पहली छमाही-वित्तीय वर्ष-2024)

- कर पश्चात अब तक का सर्वाधिक अर्धवार्षिक लाभ रु 17,469 करोड
- नॉन-पार एपीई 19.77% बढ़कर 1575 करोड़ रु हुआ
- भारतीय एंबेडेड वैल्यू 21.74% की बढ़त के साथ रु. 6.62 लाख करोड़ हुआ
- वीएनबी मार्जिन(शुद्ध)14.6 % है
- एयूएम 10.47% की बढ़त के साथ रु. 47.43 लाख करोड़ हुआ
- 13वें महीने में प्रीमियम और पॉलिसी दोनों आधार पर स्थायित्व में सुधार
- सॉल्वेंसी अनुपात 1.88 से बढ़कर 1.90 हो गया

10 नवंबर 2023, मुंबई: भारतीय जीवन बीमा निगम ("एलआईसी") के निदेशक बोर्ड ने 30 सितंबर 2023 को समाप्त छमाही के लिए अनुमोदित और स्वीकृत स्टैंडअलोन और समेकित वित्तीय परिणामों को मंजूरी दी। नीचे हमारे स्टैंडअलोन परिणामों की मुख्य विशेषताएँ दी गई हैं।

30 सितंबर, 2023 को समाप्त छमाही के लिए कर पश्चात लाभ (पीएटी) 17,469 करोड़ रुपये था। वर्तमान अवधि के लाभ में 13,768 करोड़ रुपये (शुद्ध कर) की राशि शामिल है, जो उपलब्ध सॉल्वेंसी मार्जिन पर अभिवृद्धि से संबंधित है, जो नॉन-पार फंड से शेयरधारकों के खाते में स्थानांतरित की गई है। 30 सितंबर, 2022 को समाप्त यही छह महीने की अवधि के लिए पीएटी 16,635 करोड़ रुपये था, जो तुलनीय नहीं है क्योंकि इसमें वित्त वर्ष 2021-22 की अंतिम तिमाही के लिए उपलब्ध सॉल्वेंसी मार्जिन पर अभिवृद्धि से संबंधित 4,542 करोड़ रुपये (शुद्ध कर) की राशि शामिल थी जिसे 30 सितंबर 2022 को नॉन-पार फंड से शेयरधारकों के खाते में स्थानांतरित किया गया था।

प्रथम वर्ष प्रीमियम आय (एफवाईपीआई) (आईआरडीएआई के अनुसार) द्वारा मापी गई बाजार हिस्सेदारी के संदर्भ में, एलआईसी 58.50% की समग्र बाजार हिस्सेदारी के साथ भारतीय जीवन बीमा व्यवसाय में बाजार हिस्सेदारी के मामले में बाजार में अग्रणी बनी हुई है। 30 सितंबर, 2023 को समाप्त छह महीनों के लिए, एलआईसी की व्यक्तिगत व्यवसाय में बाजार हिस्सेदारी 40.35% और समूह व्यवसाय में 70.26% थी।

30 सितंबर, 2023 को समाप्त छह महीने की अवधि के लिए कुल प्रीमियम आय 2,05,760 करोड़ रुपये थी, जबकि पिछले वर्ष 30 सितंबर 2022 को समाप्त छह महीने की अवधि के लिए यह 2,30,456 करोड़ रुपये थी। 30 सितंबर, 2023 को समाप्त छह महीने की अवधि के लिए कुल व्यक्तिगत व्यवसाय प्रीमियम पिछले वर्ष की तुलनीय अवधि के 1,27,738 करोड़ रुपये से बढ़कर 1,34,783 करोड़ रुपये हो गया। 30 सितंबर, 2023 को समाप्त छमाही के लिए समूह व्यवसाय की कुल प्रीमियम आय 70,977 करोड़ रुपये थी, जबकि 30 सितंबर, 2022 को समाप्त छह महीनों के लिए यह 1,02,718 करोड़ रुपये थी।

30 सितंबर, 2023 को समाप्त छमाही के दौरान व्यक्तिगत रूप में कुल 80,60,725 पॉलिसियाँ बेची गईं, जबकि 30 सितंबर, 2022 को समाप्त छह महीनों के दौरान 83,59,029 पॉलिसियाँ बेची गई थीं।

30 सितंबर 2023 को समाप्त छह महीने की अवधि के लिए वार्षिक प्रीमियम समतुल्य (एपीई) आधार पर कुल प्रीमियम 22,627 करोड़ रुपये था। इसमें से 64.69 प्रतिशत (14,638 करोड़ रुपये) व्यक्तिगत व्यवसाय द्वारा और 35.31% (7,989 करोड़ रुपये) समूह व्यवसाय द्वारा दिया गया था। व्यक्तिगत व्यवसाय के लिए हिस्सेदारी एपीई आधार पर पार उत्पादों की संख्या 89.24% (13,063 करोड़ रुपये) थी और शेष 10.76% (1,575 करोड़ रुपये) नॉन-पार प्रोडक्ट्स के कारण था। नॉन-पार एपीई 30 सितंबर, 2022 को समाप्त छह महीने की अवधि के लिए 1,315 करोड़ रुपये से बढ़कर 30 सितंबर, 2023 को समाप्त छह महीने की अवधि के लिए 1,575 करोड़ रुपये हो गया है, जिसमें 19.77% की वृद्धि दर्ज की गई है, इसलिए, 30 सितंबर 2022 को समाप्त छह महीने की अवधि के लिए हमारा नॉन पार एपीई का हिस्सा 8.98% था जो 30 सितंबर 2023 को समाप्त छह महीने की अवधि के लिए 10.76% हो गया है।

30 सितंबर, 2023 को समाप्त छह महीने की अवधि के लिए नव व्यवसाय का मूल्य (वीएनबी) 3,304 करोड़ रुपये था, जबकि 30 सितंबर, 2022 को समाप्त छह महीने के लिए यह 3,677 करोड़ रुपये था। 30 सितंबर, 2023 को समाप्त छह महीने की अवधि के लिए शुद्ध वीएनबी मार्जिन 14.6% था, जबकि 30 सितंबर, 2022 को समाप्त छह महीने के लिए यह 14.6% था।

30 सितंबर, 2023 को भारतीय एंबेडेड वैल्यू (आईईवी) 6,62,605 करोड़ रुपये की है, जबकि 30 सितंबर, 2022 को 5,44,291 करोड़ रुपये थी जिसमें पिछले वर्ष की तुलना में 21.74% की वृद्धि दर्ज की गई है।

सॉल्वेंसी अनुपात 30 सितंबर, 2022 के 1.88 के मुकाबले 30 सितंबर, 2023 को बढ़कर 1.90 हो गया।

30 सितंबर, 2023 को समाप्त छमाही के लिए, 13वें महीने और 61वें महीने के लिए प्रीमियम के आधार पर स्थायित्व अनुपात क्रमशः 78.49% और 62.53% है । 30 सितंबर, 2022 को समाप्त होने वाली इसी छमाही की तुलना में स्थायित्व अनुपात क्रमशः 77.62% और 62.77% थे।

30 सितंबर, 2023 को समाप्त छमाही के लिए, 13वें महीने और 61वें महीने के लिए पॉलिसियों की संख्या के आधार पर स्थायित्व अनुपात क्रमशः 66.80% और 50.35% है । 30 सितंबर, 2022 को समाप्त इसी छमाही

के लिए तुलनीय स्थायित्व अनुपात क्रमशः 65.21% और 51.61% था। इसलिए, 13वें महीने के लिए प्रीमियम और पॉलिसियों की संख्या दोनों के आधार पर स्थायित्व में सुधार हुआ है।

प्रबंधन के अधीन परिसंपत्तियाँ (एयूएम) 30 सितंबर, 2023 को बढ़कर 47,43,389 करोड़ रुपये हो गई, जबकि 30 सितंबर, 2022 को यह 42,93,778 करोड़ रुपये थी, जो साल-दर-साल 10.47% की वृद्धि दर्ज कर रही हैं।

30 सितंबर, 2023 को समाप्त छमाही के लिए कुल व्यय अनुपात 15.14% था, जबकि 30 सितंबर, 2022 को समाप्त छमाही के लिए 16.69% था।

पॉलिसीधारकों के धन के निवेश पर अप्राप्त लाभों को छोड़कर प्रतिफल 30 सितंबर, 2023 को समाप्त छमाही के लिए 9.06% था, जबकि 30 सितंबर, 2022 को समाप्त छमाही के लिए 8.32% था।

पॉलिसीधारकों के धन में नेट एनपीए 30 सितंबर, 2023 को 8.77 करोड़ रुपये है, जबकि 30 सितंबर, 2022 को 12.72 करोड़ रुपये था।

सिद्धार्थ महान्ति, अध्यक्ष, भारतीय जीवन बीमा निगम ने कहा:- "इस वित्तीय वर्ष के पहले छह महीनों के दौरान, हम अपने समग्र व्यक्तिगत व्यवसाय में नॉन-पार उत्पादों की हिस्सेदारी बढ़ाने के लिए रणनीतियों को सफलतापूर्वक लागू करने में सक्षम रहे हैं। वर्तमान वीएनबी मार्जिन हमारी पहल का एक संकेतक है जो दिशा बदलने पर लाभप्रदता बनाए रखने के उद्देश्य को पूरा करता है। हम अपने व्यवसाय के हिस्सों में बाजार की गतिशीलता के प्रति सचेत हैं और लाभ-केन्द्रित समेकन की दिशा में काम कर रहे हैं। बैंकएश्योरेंस और वैकल्पिक चैनलों की हिस्सेदारी में वृद्धि के साथ वितरण मिश्रण भी अधिक विविधता वाला है। हम डिजिटल नवाचारों के माध्यम से उच्च ग्राहक मूल्य बनाने पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। हम अपने सभी हितधारकों को उनके सहयोग हेतु धन्यवाद देते हैं।

<u>प्रमुख प्रचालन और वित्तीय मेट्रिक्स</u>:

क्र॰ स॰	विवरण	30 सितंबर को समाप्त छमाही 2022 (रु॰ करोड़ में)	30 सितंबर को समाप्त छमाही 2023 (रु॰ करोड़ में)	वर्ष दर वर्ष वृद्धि %
1.	लाभ कर के भुगतान के पश्चात (पीएटी)*	16,635	17,469	
2.	कुल नव व्यवसाय प्रीमियम आय (व्यक्तिगत)	24,535	25,184	2.65%
3.	नवीकरण प्रीमियम (व्यक्तिगत)	1,03,203	1,09,599	6.20%
4.	कुल प्रीमियम (व्यक्तिगत)	1,27,738	1,34,783	5.52%
5.	कुल समूह व्यवसाय प्रीमियम	1,02,718	70,977	(30.90)%
6.	कुल प्रीमियम आय	2,30,456	2,05,760	(10.72)%
7.	बेची गई पॉलिसियों की संख्या	83,59,029	80,60,725	(3.57)%
8.	नव व्यवसाय का मूल्य (शुद्ध)	3,677	3,304	(10.14)%

9.	प्रबंधन अधीन परिसंपत्तियाँ	42,93,778	47,43,389	10.47%
10.	वीएनबी मार्जिन(शुद्ध)	14.6	14.6	
11.	कुल व्यय का अनुपात	16.69%	15.14%	
12.	सॉल्वेंसी मार्जिन	1.88	1.90	
13.	13 माह/ 61 माह स्थायित्व (प्रीमियम आधार पर)	77.62% / 62.77%	78.49% / 62.53%	
14.	13 माह/ 61 माह स्थायित्व (पॉलिसियों की संख्या के आधार पर)	65.21% / 51.61%	66.80% / 50.35%	
15.	व्यक्तिगत एपीई	14,643	14,638	(0.04)%
16.	व्यक्तिगत एपीई उत्पाद मिश्रण (%) (पार/ संबद्ध सहित नॉन पार)	91.01% / 8.99%	89.24% / 10.76%	
17.	एपीई समूह व्यवसाय	10,585	7,989	(24.52)%
18.	कुल एपीई (व्यक्तिगत+समूह)	25,228	22,627	(10.31)%

*निगम ने गैर भागीदारी पालिसीधारको के खाते से शेयरधारकों के खाते मे उपलब्ध सालवेन्सी मार्जिन पर अभिवृद्धि (शुद्ध कर) के हस्तांतरण के संबंध में सितंबर 2022 में अपनी लेखांकन नीति में बदलाव किया था और तदानुसार वित्त वर्ष 2022-23 के दौरान कुल 27,241 करोड़ रुपये शुद्ध राशि हस्तांतरित की थी जिसमें 30/09/2022 को समाप्त तिमाही से संबधित 14272 करोड़ रुपए (शुद्ध कर) शामिल है। 14,272 करोड़ रुपये की राशि 31.03.2022, 30.06.2022 और 30.09.2022 को समाप्त तिमाही से संबंधित है जो क्रमशः 4,542 करोड़ रुपये , 4,149 करोड़ रुपये और रु. 5,581 करोड़ है। 30.09.2023 को समाप्त छमाही के लिए 13,768 करोड़ रुपये (शुद्ध कर) की राशि हस्तांतरित की गई (30.09.2023 को समाप्त तिमाही के लिए 6,277 करोड़ रुपये और 30.06.2023 को समाप्त तिमाही के लिए 7,491 करोड़ रुपये), जिसके कारण 30.09.2023 को समाप्त तिमाही का लाभ 30.09.2022 को समाप्त तिमाही के संबंधित आंकड़ों के साथ तुलनीय नहीं है।

10 नवंबर 2023 को मुंबई में दिनांकित

अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें: कार्यकारी निदेशक (निगमित संप्रेषण)
भारतीय जीवन बीमा निगम, केंद्रीय कार्यालय, मुंबई ईमेल :ed_cc@licindia.com
www.licindia.in पर विजिट करें

हमें विश्वास है कि इस विज्ञप्ति में दी गई जानकारी आपके पाठकों हेतु मूल्यवान होगी।
हम आपको इसे यथाशीघ्र प्रकाशित करने के लिए धन्यवाद देंगे, हम यह भी स्वीकार करेंगे कि ऐसा करने का निर्णय पूरी तरह से आप पर निर्भर करता है।